

भारत निर्वाचन आयोग आईआईआईडीईएम में दिया निर्वाचन अधिकारियों को दो दिवसीय प्रशिक्षण

वारां, 30 अप्रैल (हाड़ीती संचार)।

उप निदेशक पी. पवन ने बताया कि भारत के मुख्य निर्वाचन आयोक (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में विहार के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और बृथु लेवल अधिकारियों (बीएलओ) तथा हरियाणा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और उत्तर प्रदेश के ईआरओ और बीएलओ पर्वतेक्षकों के लिए दो दिवसीय क्षमता-निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी विधानसभा के आम चुनावों के लिए भारत निर्वाचन आयोग की चल रही तैयारियों का हिस्सा है। इस मिश्रित-बैच वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 369 जमीनी स्तर के चुनाव पदधारी भाग ले रहे हैं। अपने उद्घाटन अभिभावन में मुख्य निर्वाचन आयोक ज्ञानेश कुमार बृथु लेवल एजेंट (बीएलए) के साथ-साथ बीएलओ और ईआरओ सही और अद्यतन निर्वाचक नामावली सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं और उन्हें लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 और निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेशों के अनुसार कड़ाई से काम करना है। इसी महीने के प्रारंभ में, 10 मान्यताप्राप्त राजनीतिक दलों से संवर्धित विहार के लगभग 280 बीएलए को भी आईआईआईडीईएम में प्रशिक्षण किया गया था।

यह प्रशिक्षण विशेषकर मंतदाता पंजीकरण, फॉर्मों के प्रबंधन

और चुनावी प्रक्रियाओं के क्षेत्र स्तर पर कार्यान्वयन के क्षेत्रों में प्रतिभागियों की व्यावहारिक समझ को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। पदधारियों के समक्ष ईवीएम और बीवीपैट के तकनीकी प्रदर्शन किए जाएंगे और इनका प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। प्रतिभागियों को प्रकाशित अंतिम निर्वाचन नामावली के संबंध में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 24 (क) के तहत क्रमशः डीएस/जिला कलक्टर/कार्यपालक मैजिस्ट्रेट और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के समक्ष, प्रथम और द्वितीय अपील किए जाने से संबंधित प्रावधानों से परिचित कराया जाएगा। यह स्मरणीय है कि 6 से 10 जनवरी, 2025 तक विशेष संक्षिप्त पुरीक्षण (एसएसआर) का कार्य पूरा होने के बाद विशेष विवरण दिया जाएगा।

इसके दूसरे दिन, 30 अप्रैल 2025 को भगवानी अंतिम बैठक बीएलओ के लिए दिया जाएगी। अपने उद्घाटन अभिभावन में मुख्य निर्वाचन आयोक ज्ञानेश कुमार बृथु लेवल एजेंट (बीएलए) के साथ-साथ बीएलओ और ईआरओ सही और अद्यतन निर्वाचक नामावली सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं और उन्हें लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 और निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेशों के अनुसार कड़ाई से काम करना है। इसी महीने के प्रारंभ में, 10 मान्यताप्राप्त राजनीतिक दलों से संवर्धित विहार के लगभग 280 बीएलए को भी आईआईआईडीईएम में प्रशिक्षण किया गया था।

Copy Share



इन सत्रों का संचारण सभा न स्तर का जुनून नारद प्रशिक्षण (एनएलएसटी) और आयोग के आईटी तथा ईवीएम डिवीजन के विशेषज्ञों द्वारा किया जाएगा। वे सभा परस्पर संवाद आवारित होंगे और इनमें क्षेत्र-स्तर पर होने वाली सामान्य त्रुटियों के समाधान त्रुटियों से बचने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी।

5

मेड़ता सिटी, गुरुवार 1 मई, 2025

दैनिक ठोलामारु

भारत निर्वाचन आयोग आईआईआईडीईएम में निर्वाचन अधिकारियों को दो दिवसीय प्रशिक्षण देकर निर्वाचन-क्षेत्र में तत्परता को सुदृढ़ कर रहा है

ठोलामारु न्यूज

नागौर। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार ने आज नई दिल्ली स्थित भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में बिहार के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) तथा हरियाणा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और उत्तर प्रदेश के ईआरओ और बीएलओ पर्यवेक्षकों के लिए दो दिवसीय क्षमता-निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अगामी विधान सभा के आम चुनावों के लिए भारत निर्वाचन आयोग की चल रही तैयारियों का हिस्सा है। इस मिशन बैच वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 369 जमीनी स्तर के चुनाव पदधारी भाग ले रहे हैं।

2 अप्रैल उद्घाटन अभिभाषण में मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने कहा



कि बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के साथ-साथ बीएलओ और ईआरओ सही और अपडेटेड (updated) निर्वाचक नामावली सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं और उन्हें लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 24 (क) के तहत क्रमशः डीएम/जिला कलेक्टर कार्यपालक मजिस्ट्रेट और राज्य संघ राज्य क्षेत्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के समक्ष, प्रथम और द्वितीय अपील किए जाने से संबंधित प्रावधानों से परिचित कराया जाएगा। यह स्मरणीय है कि 6 से 10 जनवरी, 2025 तक विशेष संबंधित बिहार के लगभग 280 बीएलए

को भी आईआईआईडीईएम में प्रशिक्षित किया गया था।

3. यह प्रशिक्षण विशेषकर मतदाता पंजीकरण, फॉर्मों के प्रबंधन और चुनावी प्रक्रियाओं के क्षेत्र स्तर पर कार्यान्वयन के क्षेत्रों में प्रतिभागियों की व्यावहारिक समझ को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। पदधारियों के समक्ष ईवीएम और वीवीपैट के तकनीकी प्रदर्शन किए जाएंगे और इनका प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। प्रतिभागियों को प्रकाशित अंतिम निर्वाचक नामावली के संबंध में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 24 (क) के तहत क्रमशः डीएम/जिला कलेक्टर कार्यपालक मजिस्ट्रेट और राज्य संघ राज्य क्षेत्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के समक्ष, प्रथम और द्वितीय अपील किए जाने से संबंधित प्रावधानों से परिचित कराया जाएगा। यह स्मरणीय है कि

पूरा होने के बाद बिहार, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली से कोई भी अपील दायर नहीं की गई थी।

4. इसके पाद्यक्रम में परस्पर संवाद के सत्र (interactive sessions), घर-घर सर्वेक्षण को दर्शाते हुए भूमिकाएं निभने, केस स्टडी और फॉर्म 6, 6, 7 और 8 को भरने के लिए व्यावहारिक अभ्यास शामिल किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों को मतदाता हेल्पलाइन ऐप (बीएचए) और बीएलओ ऐप के संबंध में भी व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

5. इन सत्रों का संचालन राष्ट्रीय स्तर के अनुभवी मास्टर प्रशिक्षकों (एनएलएमटी) और आयोग के आईटी तथा ईवीएम डिवीजन के विशेषज्ञों (resource persons) द्वारा किया जाएगा। ये सत्र परस्पर संवाद आधारित होंगे और इनमें क्षेत्र स्तर पर होने वाली सामान्य त्रुटियों के समाधान तथा त्रुटियों से बचने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी।

भारत निर्वाचन आयोग आईआईआईडीईएम में निर्वाचन अधिकारियों को दो दिवसीय प्रशिक्षण देकर निर्वाचन-क्षेत्र में तत्परता को सुदृढ़ कर रहा है

सीकर 30 अप्रैल। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में बिहार के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) तथा हरियाणा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और उत्तर प्रदेश के ईआरओ और बीएलओं पर्यवेक्षकों के लिए दो दिवसीय क्षमता-निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी विधान सभा के आम चुनावों के लिए भारत निर्वाचन आयोग की चल रही तैयारियों का हिस्सा है। इस मिश्रित बैच वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 369 जमीनी स्तर के चुनाव पदधारी भाग ले रहे हैं।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के साथ-साथ बीएलओ और ईआरओ सही और अद्यतन निर्वाचक नामावली सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं और उन्हें लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, निर्वाचक

रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 और निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेशों के अनुसार कड़ी से काम करना है। इसी महीने के प्रारंभ में, 10 मान्यताप्राप्त राजनीतिक दलों से संबंधित बिहार के लगभग 280 बीएलए को भी आईआईआईडीईएम में प्रशिक्षित किया गया था।

यह प्रशिक्षण विशेषकर मतदाता पंजीकरण, फॉर्मों के प्रबंधन और चुनावी प्रक्रियाओं के क्षेत्र-स्तर पर कार्यान्वयन के क्षेत्रों में प्रतिभागियों की व्यावहारिक समझ को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पदधारियों के समक्ष ईवीएम और बीवीपैट के तकनीकी प्रदर्शन किए जाएंगे और इनका प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। प्रतिभागियों को प्रकाशित अंतिम निर्वाचक नामावली के संबंध में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 24 (क) के तहत जिला कलेक्टर कार्यपालक मजिस्ट्रेट और राज्य संघ राज्य क्षेत्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के समक्ष, प्रथम और द्वितीय अपील किए जाने से संबंधित प्रावधानों से परिचित कराया जाएगा। यह

स्मरणीय है कि 6 से 10 जनवरी, 2025 तक विशेष सक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) का कार्य पूरा होने के बाद बिहार, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली से कोई भी अपील दायर नहीं की गई थी।

इसके पार्यक्रम में परस्पर संवाद के सत्र, घर-घर सर्वेक्षण को दर्शाते हुए भूमिकाएं निभाने, केस स्टडी और फॉर्म 6, 6क, 7 और 8 को भरने के लिए व्यावहारिक अभ्यास शामिल किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों को मतदाता हेल्पलाइन ऐप (बीएचए) और बीएलओ ऐप के संबंध में भी व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इन सत्रों का संचालन राष्ट्रीय स्तर के अनुभवी मास्टर प्रशिक्षकों (एनएलएमटी) और आयोग के आईटी तथा ईवीएम डिवीजन के विशेषज्ञों (resource persons) द्वारा किया जाएगा। ये सत्र परस्पर-संवाद आधारित होंगे और इनमें क्षेत्र-स्तर पर होने वाली सामान्य त्रुटियों के समाधान तथा त्रुटियों से बचने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी।

भारत निर्वाचन आयोग आईआईआईडीईएम में निर्वाचन अधिकारियों को दो दिवसीय प्रशिक्षण देकर निर्वाचन क्षेत्र में तत्परता को सुदृढ़ कर रहा है

श्रीगंगानगर/दिल्ली, 30 अप्रैल। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में बिहार के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) तथा हरियाणा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और उत्तरप्रदेश के ईआरओ और बीएलओ पर्यवेक्षकों के लिये दो दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी विधानसभा के आम चुनावों के लिये भारत निर्वाचन आयोग की चल रही तैयारियों का हिस्सा है। इस मिश्रित बैच वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 369 जमीनी स्तर के चुनाव पदधारी भाग ले रहे हैं। अपने उद्घाटन अभिभाषण में मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बूथ लेवल एजेंट के साथ-साथ बीएलओ और ईआरओ सही और अद्यतन निर्वाचक नामावली सुनिश्चित करने के लिये जिम्मेदार हैं और उन्हें लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम 1960 और निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेशों के अनुसार कर्मसु से काम करना है। इसी महीने के प्रारंभ में, 10 मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों से संबंधित बिहार के लगभग 280 बीएलए को

भी आईआईआईडीईएम में प्रशिक्षित किया गया था। यह प्रशिक्षण विशेषकर मतदाता पंजीकरण,



फॉर्मा के प्रबंधन और चुनावी प्रक्रियाओं के क्षेत्र स्तर पर कार्यान्वयन के क्षेत्रों में प्रतिभागियों की व्यावहारिक समझ को बढ़ाने के लिये डिजाइन किया गया है। पदधारियों के समक्ष ईवीएम और वीवीपेट के तकनीकी प्रदर्शन किये जायेंगे और इनका प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। प्रतिभागियों को प्रकाशित अंतिम निर्वाचक नामावली के संबंध में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 24 (क) के तहत क्रमशः डीएम/जिला कलक्टर/कार्यपालक मजिस्ट्रेट और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के समक्ष, प्रथम और द्वितीय अपील किये जाने से संबंधित प्रावधानों से शेष पृष्ठ 2 पर



भारत निर्वाचन आयोग निर्वाचन अधिकारियों को दो दिवसीय प्रशिक्षण देकर निर्वाचन क्षेत्र में तत्परता को सुदृढ़ कर रहा है

सीमा किरण

श्रीगंगानगर/दिल्ली। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एंव निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में बिहार के निर्वाचक



रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) तथा हरियाणा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और उत्तरप्रदेश के ईआरओ और बीएलओ पर्यवेक्षकों के लिये दो दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी विधानसभा के आम चुनावों के लिये भारत निर्वाचन आयोग की चल रही तैयारियों का हिस्सा है। इस मिश्रित बैच वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 369 जमीनी स्तर के चुनाव पदधारी भाग ले रहे हैं। अपने उद्घाटन अभिभाषण में मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बूथ लेवल एजेंट के साथ-साथ

बीएलओ और ईआरओ सही और अद्यतन निर्वाचक नामावली सुनिश्चित करने के लिये जिम्मेदार हैं और उन्हें लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम 1960 और निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेशों के अनुसार कड़ाई से काम करना है। इसी

महीने के प्रारंभ में, 10 मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों से संबंधित बिहार के लगभग 280 बीएलए को भी आईआईआईडीईएम में प्रशिक्षित किया गया था। यह प्रशिक्षण विशेषकर मतदाता पंजीकरण, फॉर्म के प्रबंधन और चुनावी प्रक्रियाओं के क्षेत्र स्तर पर कार्यान्वयन के क्षेत्रों में प्रतिभागियों की व्यावहारिक समझ को बढ़ाने के लिये डिजाइन किया गया है। पदधारियों के समक्ष ईवीएम और वीवीपेट के तकनीकी प्रदर्शन किये जायेंगे और इनका प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। प्रतिभागियों को प्रकाशित अंतिम निर्वाचक नामावली के संबंध में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 24 (क) के तहत क्रमशः डीएम/जिला कलकटर/

कार्यपालक मजिस्ट्रेट और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के समक्ष, प्रथम और द्वितीय अपील किये जाने से संबंधित प्रावधानों से परिचित कराया जायेगा। यह स्मरणीय है कि 6 से 10 जनवरी 2025 तक विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्य पूरा होने के बाद बिहार, हरियाणा, उत्तरप्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली से कोई भी अपील दायर नहीं की गई थी। इसके पाठ्यक्रम में परस्पर संवाद के सत्र, घर-घर सर्वेक्षण को दर्शाते हुए भूमिकाएं निभाने, केस स्टडी और फॉर्म 6, 6क, 7 और 8 को भरने के लिये व्यावहारिक अभ्यास शामिल किये गये हैं। इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों को मतदाता हेल्पलाइन एप (वीएचए) और बीएलओ एप के संबंध में भी व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जायेगा। इन सत्रों का संचालन राष्ट्रीय स्तर के अनुभवी मास्टर प्रशिक्षकों (एनएलएमटी) और आयोग के आईटी तथा ईवीएम डिवीजन के विशेषज्ञों द्वारा किया जायेगा। ये सत्र परस्पर संवाद आधारित होंगे और इनमें क्षेत्र स्तर पर होने वाली सामान्य त्रुटियों के समाधान तथा त्रुटियों से बचने के तरीकों पर चर्चा की जायेगी।

भारत निर्वाचन आयोग आईआईआईडीईएम में निर्वाचन अधिकारियों को दो दिवसीय प्रशिक्षण देकर निर्वाचन क्षेत्र में तत्परता को कर रहा है सुदृढ़

नवजीवी/उत्तराखण्ड

भारत के मुख्य निर्वाचन अल्पक (सीटों) जानका कुमार ने नई दिल्ली नियुक्त भारत अकादमीप्रॉग्राम लेकार्टोव एवं निर्वाचन प्रबोधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में विद्यार्थ के निर्वाचक गणकालयकारण अधिकारियों (ईक्सेटर) और बैचलेक्यल अधिकारियों (बीएलओ) तथा हाईकाला, एड्युकेशन राजनीति क्षेत्र विद्यार्थी और उत्तर प्रदेश के इन्डियाओं और बीएलओ परिवेशकों के लिए दो दिवसीय शम्पात-निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

गह प्रशिक्षण कार्यक्रम अडागमी विधान सभा के अम्ब चूनावों के लिए भारत निर्वाचन आयोग को चल रही तैयारी कर रखा है। इस मिडिल-वीच वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 369 जनवीनी स्तर के चुनाव पदवारी बन ले रहे हैं।

अपने उद्घाटन अभिभाषण में मुख्य निर्वाचन अल्पक श्री ज्ञानेन्द्र कुमार ने कहा कि बैचलेक्यल (बीएलए) के सभा-माध्यमीलोग और इअप्स अंडर सरी और अल्पतम (अपडेट) निर्वाचक नामांकनी सुनिश्चित करने के

लिए जिम्मेदार हैं और उन्हें लोक प्रतिनिधित्व आयोगियम् 1950, निर्वाचक गणकालयकारण नियम, 1960 और नियोगन अयोग द्वारा सम्बन्धित पर जारी अनुदिली के अनुसार काश्चार्ह से काम करना है। इसी महीने के प्रारंभ में, 10 मान्यताप्राप्त गणकालयिक चारों से संबद्धित विद्यार्थ के लगभग 280 बीएलओ भी आईआईआईडीईएम में प्रशिक्षित रखा जाया था।

गह प्रशिक्षण विशेषकर मतदाता फैज़ीकारण, फौर्मों के प्रबोधन और चुनावी लकड़ियाँ जैसे के शेत्र-स्तर पर कार्यान्वयन के क्षेत्रों में प्रतिभाविती जैसे लकड़ियाँ रिक्षमाला को लाइन के लिए डिजाइन किया जाया है। प्रशिक्षितों के माध्य ईवीएम और बीएलओ के तकनीकी प्रबोधन किए जाएं और इनका प्रशिक्षण भी दिया जायगा। प्रतिभावितों को प्रकाशित अंतिम नियोगकार्यालयी के संबंध में लोक प्रतिनिधित्व अधिकारियम, 1950 को याए 24 (क) के तहत क्रमांक ईएस/मिला कलेक्टर/कालीनलक मीनिस्ट्रेट और याचन/सच शान्ति शोषक के मुख्य नियोगन अधिकारी (सीएओ) के सम्बन्ध में संबंधित अकार्यकालीन अधिकारियों से परिचित करना जाएगा। वह स्मारणीय है कि 6 से 10 जनवरी, 2025 तक विशेष साधन पुनरीक्षण (एसएसओ) का कार्य पूरा होने के बाद विद्या, हरिकाणा, उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में कोई भी अवैत्त द्वयर जहाँ की बाई थी।

इसके पार्श्वान्तर में परम्परा संवर्धन के बाबत (इटोकिया मेलन), धर-पर संवेदन का दर्शावे हुए, यूमलाएं निभाव, कैस इडी और फौर्म 6, 7, 8, 9 और 9 को भरने के लिए व्यावहारिक अभ्यास शामिल किया गया है। इसके अलावा, जात भाषियों जैसे मतदाता हेल्पलाइन एप (बीएलए) और बीएलओ-एप के संबंध में भी ज्ञानान्वयिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इन बीजों का संबलन गोदीव स्तर के अनुभवी मास्टर प्रशिक्षितों (एलहलामटी) और अन्योग के आईटी तथा ईवीएम ईवीजय के विद्यार्थी (रिसोर्स पर्सन) द्वारा किया जाएगा। वे सभा-परम्परा-संवाद, अध्यारित द्वारे और इन्सर्वेच-स्कूल पर होने वाली सामाजिक तुलनाओं के समाधान तथा तुलनाओं में बदलने के तरीकों पर सच्च की जाएंगे।



निर्वाचन अधिकारियों को दो दिवसीय प्रशिक्षण

श्रीगंगानगर/दिल्ली।

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में बिहार के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) तथा हरियाणा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और उत्तरप्रदेश के ईआरओ और बीएलओ पर्यवेक्षकों के लिये दो दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी विधानसभा के आम चुनावों के लिये भारत निर्वाचन आयोग की चल रही तैयारियों का हिस्सा है। इस मिश्रित बैच वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 369 जमीनी स्तर के चुनाव पदधारी भाग ले रहे हैं।

अपने उद्घाटन अभिभाषण में मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बूथ लेवल एजेंट

के साथ-साथ बीएलओ और ईआरओ सही और अद्यतन निर्वाचक नामावली सुनिश्चित करने

विशेषकर मतदाता पंजीकरण, फॉर्मा के प्रबंधन और चुनावी प्रक्रियाओं के क्षेत्र स्तर पर कार्यान्वयन के क्षेत्रों में प्रतिभागियों की व्यावहारिक समझ को बढ़ाने के लिये

डिजाइन किया गया है। पदधारियों के समक्ष ईवीएम और वीवीपेट के तकनीकी प्रदर्शन किये जायेंगे और इनका प्रशिक्षण भी दिया जायेगा।

प्रतिभागियों को प्रकाशित अंतिम निर्वाचक नामावली के संबंध में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम 1960 और निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेशों के अनुसार कड़ाई से काम करना है। इसी महीने के प्रारंभ में, 10 मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों से संबंधित बिहार के लगभग 280 बीएलए को भी आईआईआईडीईएम में प्रशिक्षित किया गया था। यह प्रशिक्षण

6 से 10 जनवरी 2025 तक विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्य पूरा होने के बाद बिहार, हरियाणा, उत्तरप्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली से कोई भी अपील दायर नहीं की गई थी।

इसके पाठ्यक्रम में परस्पर संवाद के सत्र, घर-घर सर्वेक्षण को दर्शाते हुए भूमिकाएं निभाने, केस स्टडी और फॉर्म 6, 6क, 7 और 8 को भरने के लिये व्यावहारिक अभ्यास शामिल किये गये हैं। इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों को मतदाता हेल्पलाइन एप (वीएचए) और बीएलओ एप के संबंध में भी व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जायेगा। इन सत्रों का संचालन राष्ट्रीय स्तर के अनुभवी मास्टर प्रशिक्षकों (एनएलएमटी) और आयोग के आईटी तथा ईवीएम डिवीजन के विशेषज्ञों द्वारा किया जायेगा। ये सत्र परस्पर संवाद आधारित होंगे और इनमें क्षेत्र स्तर पर होने वाली सामान्य त्रुटियों के समाधान तथा त्रुटियों से बचने के तरीकों पर चर्चा की जायेगी।



भारत निर्वाचन आयोग आईआईडीईएम में निर्वाचन अधिकारियों को दो दिवसीय प्रशिक्षण देकर निर्वाचन क्षेत्र में तत्परता को सुदृढ़ कर रहा है

■ निर्भीक राजस्थान

कुमार ने कहा कि बूथ लेवल एजेंट दिया जाएगा। प्रतिभागियों को 2025 तक विशेष सक्षिप्त पुनरीक्षण हेल्पलाइन ऐप (वीएचए) और अप्रैल। भारत के मुख्य निर्वाचन बीएलओ और ईआरओ सही और नामावली के संबंध में लोक के बाद बिहार, हरियाणा, उत्तर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश अद्यतन निर्वाचक नामावली प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र जाएगा। इन सत्रों का संचालन कुमार ने आज नई दिल्ली स्थित सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार धारा 24 (क) के तहत क्रमशः दिल्ली से कोई भी अपील दायर नहीं राष्ट्रीय स्तर के अनुभवी मास्टर भारत अंतराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं हैं और उन्हें लोक प्रतिनिधित्व डीएम, जिला कलेक्टर, की गई थी। इसके पाद्यक्रम में प्रशिक्षकों (एनएलएमटी) और निर्वाचन प्रबंधन संस्थान अधिनियम 1950, निर्वाचक कार्यपालक मजिस्ट्रेट और राज्य, परस्पर संवाद के सत्र, घर-घर आयोग के आईटी तथा ईवीएम (आईआईआईडीईएम) में बिहार रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 और संघ राज्य क्षेत्र के मुख्य निर्वाचन सर्वेक्षण को दर्शाते हुए भूमिकाएं डिवीजन के विशेषज्ञों द्वारा किया के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय अधिकारी (सीईओ) के समक्ष, निभाने, केस स्टडी और फॉर्म 6, जाएगा। ये सत्र परस्पर संवाद अधिकारियों (ईआरओ) और बूथ पर जारी अनुदेशों के अनुसार प्रथम और द्वितीय अपील किए 6क, 7 और 8 को भरने के लिए आधारित होंगे और इनमें क्षेत्र स्तर लेवल अधिकारियों (बीएलओ) कड़ाई से काम करना है। इसी जाने से संबंधित प्रावधानों से व्यावहारिक अभ्यास शामिल किए पर होने वाली सामान्य त्रुटियों के तथा हरियाणा, राष्ट्रीय राजधानी महीने के प्रारंभ में, 10 परिचित कराया जाएगा। यह गए हैं। इसके अतिरिक्त, समाधान तथा त्रुटियों से बचने के क्षेत्र दिल्ली और उत्तर प्रदेश के मान्यताप्राप्त राजनीतिक दलों से स्मरणीय है कि 6 से 10 जनवरी, प्रतिभागियों को मतदाता तरीकों पर चर्चा की जाएगी। ईआरओ और बीएलओ पर्यवेक्षकों संबंधित बिहार के लगभग 280 के लिए दो दिवसीय क्षमता- बीएलए को भी निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आईआईआईडीईएम में प्रशिक्षण उद्घाटन किया। यह प्रशिक्षण किया गया था। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी विधान सभा के विशेषकर मतदाता पंजीकरण, आम चुनावों के लिए भारत फॉर्मों के प्रबंधन और चुनावी निर्वाचन आयोग की चल रही प्रक्रियाओं के क्षेत्र स्तर पर 2025 के लिये रात्रि चौपाल समिति की ग्राम पंचायत फेहलपुर, समस्याएं सुनी जायेंगी और मौके तैयारियों का हिस्सा है। इस कार्यान्वयन के क्षेत्रों में प्रतिभागियों कार्यक्रम जारी किया। उन्होंने 15 मई गुरुवार को सांय 6.30 बजे पर अधिक से अधिक परिवेदनाओं मिश्रित-बैच वाले प्रशिक्षण की व्यावहारिक समझ को बढ़ाने बताया कि 1 मई गुरुवार को सांय से नादौती पंचायत समिति की ग्राम का त्वरित निस्तारण किया जाएगा। कार्यक्रम में कुल 369 जमीनों के लिए डिज़ाइन किया गया है। 6.30 बजे से करौली पंचायत पंचायत गढ़मौरा, 22 मई गुरुवार इस संबंध में उन्होंने संबंधित स्तर के चुनाव पदधारी भाग ले पदधारियों के समक्ष ईवीएम और समिति की ग्राम पंचायत को सांय 6.30 बजे से श्रीमहावीरजी अधिकारियों को आवश्यक रहे हैं। अपने उद्घाटन अभिभाषण वीवीपैट के तकनीकी प्रदर्शन किए जहांगीरपुर, 6 मई मंगलवार को पंचायत समिति की ग्राम पंचायत तैयारियों के साथ समय पर उपस्थित में मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश जाएंगे और इनका प्रशिक्षण भी सांय 6.30 बजे से मण्डरायल पटौदा व 30 मई शुक्रवार को सांय होने के निर्देश दिये।

मई माह का रात्रि चौपाल कार्यक्रम जारी

■ निर्भीक राजस्थान

पंचायत समिति की ग्राम पंचायत 6.30 बजे से पंचायत समिति करौली, 30 अप्रैल। जिला राहिर, 8 मई गुरुवार को सांय सपोटरा की ग्राम पंचायत भरतून आम चुनावों के लिए रात्रि चौपाल समिति की ग्राम पंचायत भरतून कलक्टर नीलाभ सक्सेना ने मई 6.30 बजे से मासलपुर पंचायत में रात्रि चौपाल आयोजित कर जन निर्वाचन आयोग की चल रही प्रक्रियाओं के क्षेत्र स्तर पर 2025 के लिये रात्रि चौपाल समिति की ग्राम पंचायत फेहलपुर, समस्याएं सुनी जायेंगी और मौके तैयारियों का हिस्सा है। इस कार्यान्वयन के क्षेत्रों में प्रतिभागियों कार्यक्रम जारी किया। उन्होंने 15 मई गुरुवार को सांय 6.30 बजे पर अधिक से अधिक परिवेदनाओं मिश्रित-बैच वाले प्रशिक्षण की व्यावहारिक समझ को बढ़ाने बताया कि 1 मई गुरुवार को सांय से नादौती पंचायत समिति की ग्राम का त्वरित निस्तारण किया जाएगा। कार्यक्रम में कुल 369 जमीनों के लिए डिज़ाइन किया गया है। 6.30 बजे से करौली पंचायत पंचायत गढ़मौरा, 22 मई गुरुवार इस संबंध में उन्होंने संबंधित स्तर के चुनाव पदधारी भाग ले पदधारियों के समक्ष ईवीएम और समिति की ग्राम पंचायत को सांय 6.30 बजे से श्रीमहावीरजी अधिकारियों को आवश्यक रहे हैं। अपने उद्घाटन अभिभाषण वीवीपैट के तकनीकी प्रदर्शन किए जहांगीरपुर, 6 मई मंगलवार को पंचायत समिति की ग्राम पंचायत तैयारियों के साथ समय पर उपस्थित में मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश जाएंगे और इनका प्रशिक्षण भी सांय 6.30 बजे से मण्डरायल पटौदा व 30 मई शुक्रवार को सांय होने के निर्देश दिये।



INBRIEF



EC conducts training event for grassroots poll officials

The Election Commission of India on Wednesday began a two-day capacity building training programme for electoral registration officers (EROs) and booth-level Officers (BLOs) from Bihar, and EROs and BLO supervisors from Haryana, Delhi, and Uttar Pradesh. As many as 369 grassroots election officials are taking part in the training programme, according to an official statement by the EC. The programme is part of the poll body's ongoing preparations for the upcoming Assembly polls in Bihar and other States, the statement said. Earlier this month, around 280 booth level agents from Bihar of 10 recognised political parties were also trained.

Issue of duplicate voter IDs resolved in several states

Abhishek Angad

letters@hindustantimes.com

NEW DELHI : The Election Commission of India (ECI) has resolved all instances of duplicate Voter ID cards (Elector Photo Identity Cards, EPICs) across several states, according to the people familiar with the matter.

Such duplicate EPICs were identified by state, corrected, and then reissued, ECI officials asking not to be named said.

While the cards have new numbers they also include the old EPIC numbers, in a bid to avoid any confusion where old numbers might still be referenced, the officials added.

"This was a legacy issue. Approximately, 300,000 EPICs have been rectified; 75% of these duplicates were issued before 2008 in a specific alphanumeric series. We have ensured that voters received the new cards and have completed the process well before our three-month deadline of June," one of them said.

The issue came to light in March, when opposition parties including the Trinamool Congress flagged the issue, accusing ECI of voter fraud and manipulation.

The commission responded by clarifying that "duplicate EPICs did not imply fake voters", adding that voters can

THE ECI IS YET TO ADDRESS THE ISSUE OF SO-CALLED REPEAT EPICs— WHERE MULTIPLE VOTER ID CARDS HAVE BEEN GIVEN TO THE SAME ELECTOR

only vote at the polling station in which they are registered, regardless of the EPIC number.

Officials explained the way some EPICs across states sported identical numbers.

"Before all state electoral roll databases were shifted to

ERONET—a web-based platform used to manage electoral roll data—many states conducted these operations manually and in a decentralised manner," the first official said.

"As a result, some states used the same alphanumeric series, leading to duplication," the first official added.

To be sure, the ECI is yet to address the issue of so-called repeat EPICs—where multiple voter ID cards have been given to the same elector, officials said.

Sources said the Commission currently uses systems based on Demographically Similar Entries (DSEs) and Photographically Similar Entries

(PSEs) to detect potential duplicates.

DSEs match voter details such as name, relation name and type, age, and gender, while PSEs analyse photographs.

"Both DSEs and PSEs are identified using deep learning technology within the ERONET platform. These can be used to detect and delete duplicates within or across constituencies in a state," a second ECI official said.

"However, the process is extremely time-consuming and has not been carried out on a pan-India scale due to scalability challenges," the second ECI official added.

भारत निवाचन आयोग आईआईआईडीईएम में निवाचन अधिकारियों को दो दिवसीय प्रशिक्षण देकर निवाचन क्षेत्र में तत्पत्रता को सुदृढ़ कर रहा है

(शुभ-लहर तंगर नेटवर्क)

नई दिल्ली/ जयपुर। भारत के मुख्य निवाचन आयुक्त (सीईओ) जानेश कुमार ने आज नई दिल्ली स्थित भारत अतिरिक्त्रीय लोकतंत्र एवं निवाचन प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में विहार के निवाचक रिजस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और बृथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) तथा हरियाणा, राजस्थान गजायनी क्षेत्र दिल्ली और उत्तर प्रदेश के ईआरओ और बीएलओ परिवेशकों के लिए दो दिवसीय क्षमता-निमांण प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी विधान सभा के अप्रूचनावों के लिए भारत निवाचन आयोग की चल रही तैयारियों का हिस्सा है। इस मिशन-ट्रैच वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 369 जमीनी स्तर के चुनाव पदवारी भाग ले रहे हैं।

2- अपने उद्घाटन अधिभाषण में मुख्य निवाचन आयुक्त श्री जानेश कुमार ने कहा कि बृथ लेवल एजेंट (बीएलए) के



साथ-साथ बीएलओ और ईआरओ सभी और अद्यतन (updated) निवाचक नामावली सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं और उन्हें लोक प्रतिनिधित्व कहाँ से काम करना है। इसी महाने के अनुसार 1950, निवाचक रिजस्ट्रीकरण नियम, 1960 और निवाचन आयोग द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेशों के अनुसार कड़वे से काम करना है। इसी महाने के प्रारंभ में, 10 मानवताप्राप्त राजनीतिक दलों से संबंधित विहार के लगभग 280

बीएलए को भी आईआईआईडीईएम में प्रतिवित किया गया था।

3- यह प्रशिक्षण विशेषकर मतदाता पंजीकरण, फार्मों के प्रबंधन और चुनावी प्रक्रियाओं के क्षेत्र-स्तर पर कार्यान्वयन के क्षेत्रों में प्रतिभागियों की व्यावहारिक समझ को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। पदधारियों के सम्बद्ध ईबीएम और बीएलएट के तकनीकों प्रशिक्षण किए जाएंगे और इनका प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

प्रतिभागियों को प्रकाशित अंतिम निवाचक नामावली के संबंध में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा

24 (क) के तहत क्रमशः बीएम/वित्त कलेक्टर/ कार्यालयक मिशन्स्ट और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के मुख्य निवाचन अधिकारी (सीईओ) के सम्बद्ध प्रथम और द्वितीय अपेल किए जाने से संबंधित प्रावधानों से परिवर्त कराया जाएगा। यह समर्पण है कि 6 से 10 जनवरी, 2025 तक विशेष साक्षित पुनरीक्षण (एसएसआर) का कार्य पूरा

होने के बाद विद्वार, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान राज्याधीन क्षेत्र दिल्ली से कोई भी अपील दायर नहीं की गई थी।

4-इसके पश्चात्रमें परस्पर संवाद के सत्र (interactive sessions), घर-घर संवेदन को दर्शाते हुए भूमिकाएं नियाने, क्षेत्र स्टडी और फार्म 6, 6क, 7 और 8 को भने के लिए व्यावहारिक अध्यास शामिल किए गए हैं। इनके अतिरिक्त, प्रतिभागियों को मतदाता ऐलेक्शन ऐप (बीएचए) और बीएलओ ऐप के संबंध में भी व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

5- इन सत्रों का संचालन राज्यीय सरकार के अनुभवी मास्टर प्रशिक्षकों (एनएलएमटी) और आयोग के आईटी तथा ईबीएम डिजीन जन के विशेषज्ञों (resource persons) द्वारा किया जाएगा। ये सत्र परस्पर-संवाद आधारित होंगे और इनमें क्षेत्र-स्तर पर होने वाली सामान्य त्रुटियों के समाधान तथा त्रुटियों से बचने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी।

भारत निर्वाचन आयोग आईआईआईडीईएम में निर्वाचन अधिकारियों को दो दिवसीय प्रशिक्षण देकर निर्वाचन-क्षेत्र में तत्परता को सुदृढ़ कर रहा है

● सच मीडिया

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार ने आज नई दिल्ली स्थित भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में बिहार के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआउओ) और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) तथा हरियाणा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और उत्तर प्रदेश के ईआउओ और बीएलओ पर्वतेश्वरों के लिए दो दिवसीय धमता-निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी विधान सभा के आम चुनावों के लिए भारत निर्वाचन आयोग की चल रही तैयारियों का हिस्सा है। इस मिश्रित बैच वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 369 जपीनी स्तर के चुनाव पदधारी भाग ले रहे हैं। 2 अप्रैल उद्घाटन अधिभाषण में मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के साथ-साथ बीएलओ और ईआउओ सही और अद्यतन निर्वाचक



नामावली सुनिश्चित करने के लिए जिमेदार हैं और उन्हें लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 और निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेशों के अनुसार कड़ाई से काम करना है। इसी महीने के पारंभ में, 10 मान्यताप्राप्त राजनीतिक दर्जा से संबंधित बिहार के लगभग 280 बीएलए को भी आईआईआईडीईएम में प्रशिक्षित किया गया था। 3. यह प्रशिक्षण विशेषकर मतदाता कार्यपालक मजिस्ट्रेट और राज्य संघ राज्य क्षेत्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के समक्ष, प्रथम और द्वितीय अपील किए

जाने से संबंधित प्रावधानों से परिचित कराया जाएगा। यह स्मारणीय है कि 6 से 10 जनवरी, 2025 तक विशेष सम्मिलन पुनरीक्षण (एसएसआर) का कार्य पूरा होने के बाद बिहार, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली से कोई भी अपील दायर नहीं की गई थी। 4. इसके पारंपरिक में परस्पर संचाद के सत्र, धर-धर सर्वेक्षण को दर्शाते हुए भूमिकाएं निभने, केस स्टडी और फॉर्म 6, 6, 7 और 8 को भरने के लिए व्यावहारिक अभ्यास शामिल किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों को मतदाता हेल्पलाइन ऐप (वीएचए) और बीएलओ ऐप के संबंध में भी व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। 5. इन सत्रों का संचालन राष्ट्रीय स्तर के अनुभवी मास्टर प्रशिक्षकों (एनएलएमटी) और आयोग के आईटी तथा ईवीएम डिवीजन के विशेषज्ञों द्वारा किया जाएगा। ये सत्र परस्पर संचाद आधारित होंगे और इनमें क्षेत्र स्तर पर होने वाली सामान्य त्रुटियों के समाधान तथा त्रुटियों से बचने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी।

भारत निर्वाचन आयोग आईआईआईडीईएम में निर्वाचन अधिकारियों को दो दिवसीय प्रशिक्षण देकर निर्वाचन क्षेत्र में तत्परता को सुदृढ़ कर रहा है

भारत के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) श्री ज्ञानेश कुमार ने आज नई दिल्ली स्थित भारत अधिकारीद्वाय लक्ष्मीन एवं निर्वाचन प्रबन्धन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में बिहार के निर्वाचक राजस्थान-लखनऊ अधिकारीयों (ईआईओ) और बृथू लेलव अधिकारीयों (बीएलओ) तथा हिन्दूयाण, राजस्थान सरकारी क्षेत्र दिल्ली और उत्तर प्रदेश के ईआईओ और बीएलओ प्रशिक्षण के लिए दो दिवसीय कार्यालय-नियम प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी विधाया सभा के अग्र चुनावों के लिए भारत निर्वाचन आयोग की चल रही तैयारियों का हिस्सा है। इन मिशन-वीच वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 369 जनों से ऊपर के चुनाव प्रदर्शनी भाग ले रहे हैं। अपने उद्घाटन अभियान में मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बृथू लेलव एजेंट (बीएलए) के साथ-साथ बीएलओ और ईआईओ सही और अद्वितीय (अपार्टेड) निर्वाचक नामावली सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं और उन्हें लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, निर्वाचक राजस्थान कानून नियम, 1960 और निर्वाचन आयोग द्वारा सम्पन्न एवं जारी अनुदर्शों के अनुसार कठिन से काम करना है। इन्होंने के प्रारंभ में, 10 ग्राम्यताप्राप्त राजनीतिक दलों से सर्वाधिक विहर के लगभग 280 बीएलए को भी आईआईआईडीईएम में प्रशिक्षित किया गया था। यह प्रशिक्षण विशेषकर मतदाता पंजीकरण, फोर्मों के प्रबन्धन और चुनावी प्रक्रियाओं के



क्षेत्र-स्तर पर कार्यान्वयन के क्षेत्रों में प्रतिभागियों की व्यावहारिक समझ को बहुते के लिए डिजाइन किया गया है। पदभागियों के सम्बन्ध ईंवेलप और वीवीपैट के तकनीकी प्रदर्शन किए जाएंगे और इनका प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। प्रतिभागियों को प्रकाशित अंतिम निर्वाचक नामावली के संबंध में लोक नामावली के संबंध में लोक विशेष समिक्षा पुनरीक्षण (एसएसएम) का कार्य पूरा होने के बाद विहर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान ग्राम्यानी क्षेत्र दिल्ली से कोई भी अपेल दायर नहीं की गई थी। इसके पासक्रम में परस्पर संबंध के सब (इंटरेक्टिव सेसन), घर-घर सर्वेक्षण को दर्शाते हुए भूमिकाएं निभाने, केस रिट्रीव और फोर्म 6, 6क, 7

के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के सम्बन्ध, प्रथम और द्वितीय अपेल किए जाने से संबंधित प्रबन्धाधारी से परिचित करना जाएगा। यह स्पर्शी है कि 6 से 10 जनवरी, 2025 तक विशेष समिक्षा पुनरीक्षण (एसएसएम) का कार्य पूरा होने के बाद विहर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान ग्राम्यानी क्षेत्र दिल्ली से कोई भी अपेल दायर नहीं की गई थी। इसके पासक्रम में परस्पर संबंध घर-घर सर्वेक्षण को दर्शाते हुए भूमिकाएं निभाने, केस रिट्रीव और फोर्म 6, 6क, 7

और 8 को भरने के लिए व्यावहारिक अभ्यास शामिल किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों को मतदाता हेल्पलाइन एप (वीएप्ट) और बीएलओ एप के संबंध में भी व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन सभी का संवालन ग्रामीण दस्त के अनुभवी मास्टर प्रशिक्षकों (एपएलपटी) और आयोग के ईआईटी तथा ईंवेलप डिजिटल के विशेषज्ञ (सिसीएस पर्सन) द्वारा किया जाएगा। ये सत्र परस्पर-संबद्ध अपारित होंगी और इनमें क्षेत्र-स्तर पर होने वाली समाचार नुस्खियों के समाधान तथा त्रुटियों से बचने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी।

दैनिक उत्तराखण्ड भारत

भारत निर्वाचन आयोग आईआईआईडीईएम में निर्वाचन अधिकारियों को दो दिवसीय प्रशिक्षण देकर निर्वाचन क्षेत्र में तपता को सुदृढ़ कर रहा है

उत्तराखण्ड भारत न्यूज

नई दिल्ली/ जोधपुर। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार ने आज नई दिल्ली स्थित भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में बिहार के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) तथा हरियाणा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और उत्तर प्रदेश के ईआरओ और बीएलओ पर्यवेक्षकों के लिए दो दिवसीय क्षमता-निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी विधान सभा के आप चुनावों के लिए भारत निर्वाचन आयोग की चल रही तैयारियों का हिस्सा है। इस प्रतिक्रिया-वैच वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 369 जमीनी स्तर के चुनाव पदधारी भाग ले रहे हैं।

2. अपने उद्घाटन अधिभाषण में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के साथ-साथ बीएलओ और ईआरओ सही और अद्यतन (updated) निर्वाचक नामावली सुनिश्चित



करने के लिए जिम्मेदार हैं और उन्हें लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 और निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेशों के अनुसार कड़ाई से काम करना है। इसी महीने के प्रारंभ में, 10 मान्यताप्राप्त राजनीतिक दलों से संबंधित बिहार के लगभग 280 बीएलए को भी आईआईआईडीईएम में प्रशिक्षित किया गया था।

3. यह प्रशिक्षण विशेषकर मतदाता पंजीकरण, फॉर्मों के प्रबंधन और चुनावी प्रक्रियाओं के क्षेत्र-स्तर पर कार्यान्वयन के

परिचित कराया जाएगा। यह स्मरणीय है कि 6 से 10 जनवरी, 2025 तक विशेष सक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) का कार्य पूरा होने के बाद बिहार, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली से कोई भी अपील दायर नहीं की गई थी।

4. इसके पार्श्वक्रम में परस्पर संवाद के सत्र (interactive sessions), घर-घर सर्वेक्षण को दर्शाते हुए भूमिकाएं निभाने, केस स्टडी और फॉर्म 6, 6क, 7 और 8 को भरने के लिए व्यावहारिक अभ्यास शामिल किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों को मतदाता हेल्पलाइन ऐप (वीएचए) और बीएलओ ऐप के संबंध में भी व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

5. इन सत्रों का संचालन राष्ट्रीय स्तर के अनुभवी मास्टर प्रशिक्षकों (एनएलएमटी) और आयोग के आईटी तथा ईवीएम डिवीजन के विशेषज्ञों (resource persons) द्वारा किया जाएगा। ये सत्र परस्पर-संवाद आधारित होंगे और इनमें क्षेत्र-स्तर पर होने वाली सामान्य त्रुटियों के समाधान तथा त्रुटियों से बचने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी।